30/09/24 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील उप.। विपक्षीगण को जवाब का अवसर देने के बावजूद जवाब पेश नहीं किया अत: जवाब बंद किया जाता है। वकील प्रार्थी ने उक्त प्रार्थना पत्र में बहस सुनने का निवेदन किया। वकील प्रार्थी की बहस सुनी गई। पत्रावली का अध्ययन अवलोकन किया गया जिससे प्रतीत होता है कि प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार करने योग्य है। अत: पत्रावली आदेश हेतु आईन्दा दिनांक 14/10/24 को पेश हो।

14/10/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 28/10/24 को पेश हो।

28/10/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 13/12/24 को पेश हो।

13/12/24 पत्रावली पेश हुई । पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इलतवा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 27/01/25 को पेश हो।

27/01/25 [पत्र]ावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दि[गज] कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तवा होकर पत्राव[ली] पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 12/02/25 को पेश हो।

12/02/25 पत्रावली पेश हुई। उभयपक्ष [illegible]त । [illegible] निर्णय अलग से लिखा जाकर शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। संख्या से एक कम हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Badrinarayan
Date: 2025.05.05 20:46:59 IST
Reason: SelfAttested